म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन एवं जॉर्ज सोरोस-पीएम मोदी विवाद

इंडियन एक्सप्रेस

पेपर-II
(अंतर्राष्ट्रीय संबंध)

अरबपति निवेशक जॉर्ज सोरोस ने शुक्रवार (17 फरवरी) को कहा कि अडानी समूह के खिलाफ अमेरिकी शॉर्ट-विक्रेता हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा लगाए गए आरोप, भारत में निवेशकों के विश्वास को चोट पहुँचाने और सरकार पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पकड़ को कमजोर कर सकते हैं।

विवाद क्या है?

दरअसल सोरोस ने म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन (एमएससी) में भाषण देते हुए कहा कि "मोदी और बिज़नेस टाइकून अडानी करीबी सहयोगी हैं, उनका भाग्य आपस में जुड़ा हुआ है।" उन्होंने आगे कहा, "अडानी इंटरप्राइजेज ने शेयर बाजार में फंड जुटाने की कोशिश की, लेकिन वह असफल रहा। अडानी पर स्टॉक मैनिपुलेशन का आरोप है और उनका स्टॉक ताश के पत्तों की तरह ढह गया। मोदी इस विषय पर चुप हैं, लेकिन उन्हें विदेशी निवेशकों और संसद में सवालों का जवाब देना होगा।

एमएससी का आयोजन

एमएससी, जो शुक्रवार को शुरू हुआ और रविवार तक जारी रहेगा, वैश्विक सुरक्षा मुद्दों पर एक वार्षिक सम्मेलन है, जो जर्मनी के म्यूनिख में होटल बेयरिशर हॉफ में दुनिया भर के वरिष्ठ राजनेताओं और सैन्य नेताओं के एक साथ आने का गवाह है। इस वर्ष की बैठक में भाग लेने वाले कई शीर्ष अधिकारियों में अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस, जर्मनी के चांसलर ओलाफ स्कोल्ज और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र, उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (NATO) और यूरोपीय संघ (EU) जैसे प्रभावशाली वैश्विक संगठनों के प्रतिनिधि भी सम्मेलन का हिस्सा होंगे।

विशेष रूप से, 20 वर्षों में पहली बार, रूस को इस आयोजन में आमंत्रित नहीं किया गया है, जो कि यूक्रेन के चल रहे आक्रमण की प्रतिक्रिया है, जो पिछले साल फरवरी में शुरू हुआ था। वहीं ईरानी शहरों में महिलाओं द्वारा विरोध प्रदर्शनों के क्रूर दमन के कारण ईरानी नेताओं को भी नहीं बुलाया गया है।

म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन क्या है?

एमएससी, की स्थापना एक जर्मन अधिकारी और प्रकाशक इवाल्ड-हेनरिक वॉन क्लेस्ट ने शीत युद्ध (1947-1991) के चरम अवस्था के दौरान 1963 में की गई थी। फाइनेंशियल टाइम्स के अनुसार, 1963 में शुरू हुए इस सम्मेलन में शुरू में केवल सैन्य मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया था और इसमें मुख्य रूप से पश्चिमी देशों और उनके हाई-प्रोफाइल अधिकारियों ने भाग लिया था, जो "सोवियत साम्यवाद के खिलाफ अपने संघर्ष में एक संयुक्त मोर्चे को प्रदर्शित करने के लिए एक साथ आए थे"।

शीत युद्ध की समाप्ति के बाद, सम्मेलन ने अपने एजेंडे का विस्तार किया जो जलवायु परिवर्तन और प्रवासन जैसे मुद्दों को शामिल करने के लिए रक्षा और सुरक्षा मामलों से परे चला गया। इसने रूस, भारत और चीन सहित पूर्वी देशों के नेताओं को भी आमंत्रित करना शुरू कर दिया।

सम्मेलन की वेबसाइट के अनुसार, हर साल फरवरी में आयोजित एमएससी, आज "विश्वास को बढ़ावा देने और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा समुदाय के भीतर चल रहे, क्यूरेटेड, अभी तक अनौपचारिक संवाद को सुविधाजनक बनाकर संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान में योगदान करने का प्रयास करता है"। इसकी स्थापना के बाद से, इसे केवल दो बार रद्द किया गया है। एक बार 1991 में जब पहला खाड़ी युद्ध छिड़ गया और दूसरी बार 1997 में क्लिस्ट-श्मेंजिन की सेवानिवृत्ति के परिणामस्वरूप।

म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के बारे में

- म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा नीति पर बहस करने के लिए दुनिया का अग्रणी मंच है। यह दुनिया की सबसे अधिक दबाव वाली सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के लिए कूटनीतिक पहल का एक स्थान है। 59वां म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन (एमएससी) 17 फरवरी से 19 फरवरी, 2023 तक म्यूनिख के होटल बेयरिशर हॉफ में होगा। यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के लगभग एक साल बाद, एमएससी-2023 भी नियम-आधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था के लिए गठबंधन सामंजस्य और राजनीतिक प्रतिबद्धता का जायजा लेने का अवसर प्रदान करेगा।
- एमएससी का मूल उद्देश्य है- संवाद के माध्यम से शांति का निर्माण। अपने वार्षिक प्रमुख सम्मेलन के अलावा, एमएससी नियमित रूप से विशेष विषयों और क्षेत्रों पर हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम आयोजित करता है और महत्वपूर्ण सुरक्षा चुनौतियों पर प्रासंगिक आंकड़ों, मानचित्रों और शोध का एक वार्षिक डाइजेस्ट म्यूनिख सुरक्षा रिपोर्ट प्रकाशित करता है।
- एमएससी अपने कार्यक्रमों में न केवल सबसे जरूरी सुरक्षा चुनौतियों को शामिल करता है, बल्कि उन मुद्दों पर भी ध्यान आकर्षित करता है जो अभी तक सुरक्षा समुदाय के एजेंडे में शीर्ष पर नहीं हैं। म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन सुरक्षा की एक व्यापक परिभाषा को गले लगाता है, जिसमें न केवल पारंपरिक राष्ट्रीय या सैन्य सुरक्षा शामिल है, बल्कि सुरक्षा के आर्थिक, पर्यावरणीय और मानवीय आयामों को भी ध्यान में रखा जाता है।
- अमेरिकी सीनेटर जॉन मैक्केन की याद में, एमएससी सालाना जॉन मैक्केन निबंध पुरस्कार प्रदान करता है। यह पुरस्कार ट्रान्साटलांटिक संबंधों के क्षेत्र में उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों का सम्मान करता है।
- म्यूनिख सुरक्षा रिपोर्ट 2023 अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था के लिए विभिन्न दृष्टिकोणों के बीच बढ़ते सत्तावादी संशोधनवाद और बढ़ती प्रतिस्पर्धा की जाँच करती है। यह इस बहस को भी तेज़ करती है कि उदार, नियम-आधारित आदेश की दृष्टि का बचाव करने वाले गठबंधन को कैसे बढ़ाया और मजबूत किया जा सकता है।

इस वर्ष के एमएससी का फोकस क्या होगा?

हालाँकि पिछले कुछ वर्षों में एमएससी ने केवल सुरक्षा मुद्दों की तुलना में अन्य पर भी बहुत अधिक ध्यान केंद्रित किया है, विशेषज्ञों का मानना है कि इस वर्ष के संस्करण में रूस-यूक्रेन युद्ध की पृष्ठभूमि में यूरोप में सुरक्षा व्यवस्था के अपने मूल लक्ष्य पर फिर से ध्यान केंद्रित किया जा सकता है जो एमएससी-2022 के समापन के बाद कुछ ही दिनों में शुरू हुआ था।

एमएससी की वेबसाइट के अनुसार, "यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के लगभग एक साल बाद,एमएससी-2023 भी नियम-आधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था के लिए गठबंधन सामंजस्य और राजनीतिक प्रतिबद्धता का जायजा लेने का अवसर प्रदान करेगा"।

इसके अलावा सम्मेलन संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बीच तनाव को कम करने के लिए एक मंच के रूप में भी काम कर सकता है, विशेष रूप से इस महीने की शुरुआत में उत्तर अमेरिकी हवाई क्षेत्र में एक कथित चीनी जासूस गुब्बारे को मार गिराने के बाद। फाइनेंशियल टाइम्स के अनुसार, आयोजकों को उम्मीद है कि चीन के विदेश मंत्री वांग यी और उनके अमेरिकी समकक्ष एंटनी ब्लिंकन के बीच चर्चा से दोनों देशों के बीच संबंधों में सुधार होगा। एजेंडे का एक अन्य विषय 'ग्लोबल साउथ' से विविध दृष्टिकोणों पर ध्यान केंद्रित करना है, जिसमें दुनिया के कुछ सबसे गरीब और कम औद्योगिक देश शामिल हैं।

संभावित प्रश्न (Expected Question)

प्रश्न : म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनो पर विचार कीजिए-

1. 1963 से म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा नीति पर एक वार्षिक सम्मेलन के रूप में म्यूनिख, जर्मनी में आयोजित किया जा रहा है।
2. अमेरिकी सीनेटर जॉन मैक्केन की याद में, म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन सालाना 'जॉन मैक्केन निबंध पुरस्कार' प्रदान करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

Que. With reference to the Munich Security Conference, consider the following statements:

1. Since 1963, the Munich Security Conference has been held in Munich, Germany as an annual conference on international security policy.
2. In memory of US Senator John McCain, the Munich Security Conference annually awards the 'John McCain Essay Prize.'

Which of the statements given above is/are correct?

(a) Only 1 (b) Only 2

(c) Both 1 and 2 (d) Neither 1 nor 2

उत्तर : C

संभावित प्रश्न व प्रारूप (Expected Question & Format)

प्रश्न : 'म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन' क्या है? वैश्विक शांति एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस सम्मेलन का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। **(250 शब्द)**

उत्तर का दृष्टिकोण :-

- ❖ म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के बारे में बताइए।
- ❖ वैश्विक शांति एवं सुरक्षा को बनाए रखने पर इस सम्मेलन की सफलता और विफलता को उदाहरण सहित बताइए।
- ❖ वर्तमान परिस्थिति को देखते हुए संतुलित निष्कर्ष दीजिए।

नोट : अभ्यास के लिए दिया गया मुख्य परीक्षा का प्रश्न आगामी UPSC मुख्य परीक्षा को ध्यान में रखकर बनाया गया है। अतः इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आप इस आलेख के साथ-साथ इस टॉपिक से संबंधित अन्य स्त्रोतों का भी सहयोग ले सकते हैं।